M.A. Examination, December-2024

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302312**
Title of the Paper	**:**	**काव्यप्रकाश (Kavyaprakāśa)**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit**
Semester	**:**	**III**
Group	**:**	**C**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए ।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1 निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 4x7 = 28
Explain the following:

(i) अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्यं व्यङ्ग्ये तु मध्यमम्।
अथवा / or
तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्।

(ii) मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्।
अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया॥
अथवा / or
शब्दप्रमाणवेद्योऽर्थो व्यनक्त्यर्थान्तरं यतः।
अर्थस्य व्यञ्जकत्वे तच्छब्दस्य सहकारिता॥

(iii) तदाभासा अनौचित्यप्रवर्तिताः।
अथवा / or
अलङ्कारोऽथ वस्त्वेव शब्दाद्यत्रावभासते।
प्रधानत्वेन स ज्ञेयः शब्दशक्त्युद्भवो द्विधा।

(iv) नैमित्तिकानुसारेण निमित्तानि कलप्यन्ते।
अथवा / or
सोऽयमिषोरिव दीर्घदीर्घतरो व्यापारः।

2 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक **संस्कृत** में हो : 5+5+5+7 = 22
Write short notes on the following, one of which should be in **Sanskrit**:

(i) हेतुर्न तु हेतवः **अथवा / or** अन्विताभिधानवाद
(ii) अनुव्यवसायसिद्धान्त **अथवा / or** हेत्वभावान्न लक्षणा
(iii) उत्पत्तिवाद **अथवा / or** रस की अलौकिकता
(iv) वेदान्तियों का अखण्डार्थतावाद **अथवा / or** अवरकाव्य

3. संकेतग्रह विषयक सिद्धान्तों को स्पष्ट कीजिए। 10
Explain the principles about 'संकेतग्रह'

अथवा / or

'लक्षणा तेन षड्विधा' का विवेचन कीजिए।
Analysis 'लक्षणा तेन षड्विधा'.

4. भरत के रससूत्र की व्याख्या में भट्टनायक के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 10
Evaluate the contribution of Bhattanayaka in explanation of Bharata's Rasasūtra.

अथवा / or

'व्यङ्ग्यार्थ की प्रतीति अभिधा से नहीं हो सकती है' – मम्मट के अनुसार सिद्ध कीजिए।
Vyaṅgyārtha cannot be credence by Abhidhā – establish according to Mammata.